भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 177
08/12/2022 को उत्तर दिए जाने के लिए

आईएमडी द्वारा अल्पकालिक पूर्वानुमान पर बल

177. श्री के.आर.सुरेश रेड्डी:

क्या पृथ्वी विज्ञान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार इस विचार से सहमत है कि भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) को अपनी कुछ प्रक्रियाओं को आवश्यक रूप से अद्यतन करना चाहिए और दीर्घावधि के पूर्वानुमानों की काल दोष युक्त परंपराओं को, जो न तो सटीक हैं और न ही उपयोगी, बनाए रखने के बजाय एक महीने या एक पखवाड़े पूर्व के अल्पकालिक पूर्वानुमानों पर जोर देना चाहिए;

(ख) यदि हां, तो सरकार द्वारा इस संबंध में कौन-कौन से कदम उठाने पर विचार किया जा रहा है; और

(ग) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क)-(ग) भारत मौसम विज्ञान विभाग(आईएमडी) ने मानसून ऋतु, 2021 से प्रभावी पूर्वानुमान प्रणाली शुरू की है और वर्तमान में, एक ऋतु से लेकर एक माह, एक पखवाड़े, एक सप्ताह और कुछ दिन पहले तक के लिए पूर्वानुमान जारी किए जाते हैं। आईएमडी मानसून ऋतु के लिए ऋतुनिष्ठ पूर्वानुमान दो चरणों में ,15 अप्रैल और 1 जून को जारी करता है। यह प्रत्येक माह के पहले दिन या पिछले माह के अंतिम दिन प्रत्येक माह के लिए पूर्वानुमान भी जारी करता है। यह मौसम विज्ञान संबंधी उप-मंडलों, जिलों और ब्लॉकों के लिए प्रत्येक गुरुवार को अगले पखवाड़े तक के लिए मान्य विस्तारित अवधि पूर्वानुमान, सात दिनों तक मान्य लघु से मध्यम अवधि पूर्वानुमान प्रतिदिन तथा जिला एवं केन्द्र स्तर पर तीन घंटे तक मान्य तत्काल पूर्वानुमान जारी करता है। पूरे देश के लिए वर्षा के एक मूल्य/श्रेणी तक सीमित करने के बजाय वर्षा, तापमान संभाव्यता के स्थानिक वितरण के अनुसार देश के भिन्न -भिन्न क्षेत्रों के लिए मासिक और ऋतुनिष्ठ पूर्वानुमान जारी किए जा रहे हैं।

*****